'सुजोक फॉर एवरीवन विजन फॉर उत्तराखंड' सेमीनार राजभवन देहरादून में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(11 अक्टूबर 2022)

जय हिन्द!

सुजोक चिकित्सा के इस सेमिनार में उपस्थित मुख्य सचिव श्री एस.एस. संधू जी, अंतर्राष्ट्रीय सुजोक एसोसिएशन के वैश्विक अध्यक्ष डॉ. पार्क मिनचुल जी, पदाधिकारीगण और यहां उपस्थित देश के विभिन्न स्थानों से पधारे सुजोक विशेषज्ञ और प्रिय महानुभावों!

मुझे आज अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि राजभवन में **'सुजोक फॉर एवरीवन विजन फॉर उत्तराखंड'** विषय पर जन केंद्रित संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

सुजोक थेरेपी पर काम कर रहे आप सभी की दिल की गहराईयों से प्रसंशा करता हूँ।

एक प्राकृतिक और जटिल चिकित्सा पद्धति को लोकप्रिय और उपयोगी बनाने के लिए दिल की गहराईयों से बधाई और शुभकामनाएं!

पारम्परिक चिकित्सा पद्धति के साथ – साथ अब हमारी प्राचीन और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियां लोकप्रिय हो रही हैं और लोगों के जीवन की जटिलताओं का समाधान खोज रही हैं।

इस प्रकार की वैकल्पिक उपचार विधियां दुनिया भर में भी लोकप्रिय हो रही हैं, लोग उसे अपना रहे हैं, उन्हे मान्यता मिल रही है।

भारत एक ऐसा देश है जहां चिकित्सा के अनेक प्राचीन रूप प्रचलित हैं। अब सुजोक एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के रूप में लोकप्रिय हो रही है।

चिकित्सा के क्षेत्र में हमारे देश में योग, आयुर्वेद, मर्म, जैसी विधियां लोगों की जीवनचर्या को सुगम बना रही हैं।

एक्यूप्रेशर, एक्युपंचर और अभिनव उपकरणों के संयोजन से सुजोक चिकित्सा भी लोकप्रिय हो रही है।

मुझे बहुत खुशी है कि सुजोक थैरेपी ने एक बड़ी लोकप्रियता प्राप्त की है और जनता के स्वास्थ्य के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस थेरेपी को लोकप्रिय बनाने के लिए यहां उपस्थित आप में से हर एक सुजोक विशेषज्ञ चिकित्सक की एक बड़ी भूमिका मैं मानता हूँ।

आप सुजोक थेरेपी को एक विशिष्ट चिकित्सा पद्धति के रूप में स्थापित कर रहे हैं यह बहुत ही बड़ी उपलब्धि है।

आप ने इस विद्या का प्रसार इस प्रकार से किया है कि यह लोगों के जीवन में एक अलग स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

यहां उपस्थित सुजोक विशेषज्ञ जानते हैं कि मानव शरीर की संरचना क्या है ? यह केवल एक भौतिक शरीर ही नहीं अपितु विभिन्न संरचनाओं का एक रहस्यमय शक्तिपुंज है।

यह विभिन्न भौतिक और पराभौतिक शक्तियों और संरचानाओं का तालमेल है।

हमारे इस विशिष्ट और जटिल शारीरिक संरचना को समझना और लोगों के रोग के केन्द्र और उसके निदान के विन्दु खोजना भी अपने आप में एक अलग ही प्रतिभा की मांग करता है।

आपकी आंतरिक दृष्टि और एक वैज्ञानिक समझ आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त करने में सक्षम बनाती है।

आप जानते हैं कि किसी भी विद्या की कोई अन्तिम सीमा नहीं होती है। ज्ञान एक ऐसा सागर है जिसका कोई किनारा नहीं है।

इस पद्धति में भी हमें यही समझना चाहिए और निरंतर अनुसंधान करते रहना चाहिए।

मैं युवाओं से अपील करूंगा कि आप जो ज्ञान और जानकरी उपलब्ध है उसे तो उपयोग में लाएंगे ही साथ ही नये – नये अनुसंधान भी करें।

आज जिस प्रकार से रोगों की जटिलताएं बढ़ती जा रही हैं उतनी ही समाधान खोजने की हमारी प्रवृत्ति भी होनी चाहिए।

भारतीय मनीषि प्राचीन काल में एक लम्बे अनुसंधान के परिणामों के बाद किसी निष्कर्ष पर पहुंचते थे और उन्हे जीवन के लिए पूर्ण उपयोगी बनाते थे।

आज रिसर्च हो रहे हैं, लेकिन मैं कहुंगा कि हमें ज्ञान के विस्तार के लिए निरंतर प्रयत्न करते रहना होगा।

सुजोक पद्धति को भी हमें इसी प्रकार आगे बढ़ाना होगा।

सुजोक पद्धति रोग और इसकी प्रक्रियाओं की सरलता के कारण यह सभी के लिए उपलब्ध हो सकती है।

आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में नये – नये आविष्कार और अनुसंधान हो रहे हैं। चिकित्सा का क्षेत्र निरंतर सीमा से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ सभी तक पहुंचने में भी बहुत सी बाधाएं हैं।

भारत ने कोविड महामारी में बहुत ही सेवा और समर्पण की भावना से एक बड़ी आपदा पर विजय प्राप्त की है।

चिकित्सा पद्धतियों, अनुसंधानों की परीक्षा हुई है और हमने कीर्तिमान स्थापित किये हैं।

सुजोक ने भी उपचार की प्रभावशीलता का अच्छी तरह से परीक्षण किया गया है और लोगों ने इन उपचारों में गहरी आस्था और रुचि दिखायी है।

इन विभिन्न प्राकृतिक स्वास्थ्य देखभाल उपचारों में, सुजोक थेरेपी ने आम जनता के स्वास्थ्य के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल प्रावधानों का अंतर सामाजिक रूप से एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरा है ।

सुजोक इस अंतर को बहुत ही आर्थिक तरीके से भरने में मददगार होगा, जो न केवल आसानी से सुलभ होगा।

सुजोक थेरेपी को उच्च शिक्षा स्तर पर अध्ययन के हिस्से के रूप में एकीकृत करने की आवश्यकता है जो करियर खोल सकता है।

मैं उत्तराखंड के नागरिकों के कल्याण के लिए सुजोक थेरेपी की सबसे प्रभावी गैर–औषधीय प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली लाने में अंतर्राष्ट्रीय सुजोक एसोसिएशन के वैश्विक अध्यक्ष डॉ. पार्क मिनचुल के दृष्टिकोण का पूर्ण समर्थन करता हूं।

आशा करता हूँ कि इस सुजोक थेरेपी पर केन्द्रित यह सेमिनार नये विचार और अवसरों को पैदा करने में सार्थक होगा और लोगों की जिन्दगी को आसान बनाने में मददगार होगा।

आप सभी के इस सार्थक प्रयास की हार्दिक प्रसंशा करता हूँ तथा आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द!